

NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION NOVEMBER 2021

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours 80 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

भाग क

प्रशन १

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रशनों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए ।

- १.१ पृथ्वीराज कपूर हिन्दी सिनेमा जगत का पहला बादशाह था ।
 उन्होनें मुक फिल्मों में अपना करियर शुरु की । पृथ्वीराज ने कपूर खानदान का
 विरासत आरम्भ किया ।
- १.२ पृथ्वीराज ने कानून की शिक्षा पाकिस्तान में की, लेकर उस करियर में वह असफल रहें । उसके बाद उन्होंनें थिएटर की दुनिया में आया । नाटकों में काम की । उनके पहले फिल्म मुक फिल्म था ।
- १.३ १.३.१ एक जगह से लेकर दूसरे जगह तक सफर करते नाटक में कार्य करने के लिए । यह कलाकार के पेशा हैं । पुराने दिनों में वे पूरी देश सफर करते लोगों को मनोरंजन करने रे लिए ।
 - १.३.२ उन दिनों जब फिल्मों बनाते थे, तब कोई आवाज़ नहीं था । मुक फिल्मों उस ज़माने के थे, जब अभिनेता सिर्फ़ नकल करते थे ।
 - १.३.३ किसी को सहीं रास्ते पर चलने के लिए और सहीं काम करने के लिए उनको आशा दिलाना होगा । सच्चाई का अर्थ है असलियत, किसी सत्य के मर्ग पर चलना हमेशा जीत होते है ।
- १.४ पृथ्वीराज कपूर के मृत्यु से पहले उन्हें दादा सहाब फाल्के के पुरस्कार मिले और भारत सरकार ने भी पध्मा भूषण की सम्मानित भी किया गया था ।

- १.५ १.५.१ मौत
 - १.५.२ संसार/दुनिया
 - १.५.३ मैदान
 - १.५.४ ज्ञान
- १.६ १.६.१ मुक
 - १.६.२ जनम
 - १.६.३ अन्त
 - १.६.४ विदेश

भाग ख

प्रशन २

निम्नलिखित गद्यांश को घ्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षेप्त विवरण कीजिए:

इंटरनेट का महत्व का निबन्ध

इंटरनेट आघुनिक और महत्व है । दुनिया में, किसी व्यक्ति जानकारियाँ आसानी से मिलते हैं । इसी माध्यम से, किसी व्यक्ति एक कम्प्युटर से दुनिया भर के जोड़कर जानकारियाँ मिलते हैं ।

इंटरमेट के माध्यम से हम घर बैठकर सारा काम रर सकते, जैसे के बिल जमाना और फिल्म देखना । अब ये हमारे जीवन के खास हिस्से बन च्के हैं ।

इसकी उपयोगिता की वजह से, ये हर जगह इस्तमाल होता है । आज हम एक जगह बैठकर दुनिया भर संदेश भेज सकते ।

इंटरनेट हमारे जीवन में प्रवेश की और हमारी दुनिया में परिवर्तन हुए। सबके लिए इंटरनेट फायदेमंद हो गए थे।

जब दुनिया भर कोविड़ १८ फैले हुए थे, तब लोकडौन में हर व्यक्ति घर में रहे और सुरक्षित से अपना काम किया । इसी तरह इंटरनेट और भी महत्व बन गया ।

भाग ग

प्रशन ३

निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रशन का उत्तर दिजीए।

- 3.१ इस विज्ञापन में हरियाली चाय विज्ञापित है। इस चाय के साथ एक मग भी मुफ़त मिलते है।
- 3.२ 3.२.१ अगर आप इस चाय को खरीदेंगे तो आप इस मग (मुफ़त) मिलेंगे । बिना पैसे से आप इस मग मिलेंगे ।
 - 3.२.२ हर औरत जो घर में रहते और घर का काम करते है । ये हर पत्नी की पसंद हैं अपने लिए और परिवार के लिए ।
- 3.3 चित्र में एक मग है चाय धानी के साथ ये दिखाते है कि ग्राहक चजब चाय खरीदेंगे तो साथ साथ मग भी मिलेंगे । एक पत्नी भी यह चाय पसंद करती और मग भी मिलेंगे अपने रसोई के लिए ।
- 3.8 चाय भी मेरी, मग भी मेरी । विज्ञापनदाता यह कहना चाहता है, कि दोनों चीज़े एक साथ मिलते है। दोनों साथ खरीदेंगे तो पैसे के मूल्य मिलेंगे । यह एक विपणन रणनीती है। (मार्केटिंग स्ट्टेजी)
- ३.५ यह विज्ञापन चाय प्रेमियों के लिए हैं । लोग जो अपने स्वस्थ पर ध्यान करते । हरियाली चाय स्वस्थ और स्वादिष्ट भी है, इसलिए हर व्यक्ति को इसे पीने चाहिए ।
- 3.६ विज्ञपनदाता ने कम शब्द लिखे इस विज्ञापन पर, शायद इसलिए की इस चाय पीये करो, इसमें शब्दों का ज्यादा दम है । यह एक अचछी विज्ञापन है । नाम टूडै हिरयाली चाय हमको बताते है कि यह इतनी अच्छी है कि इसे आज पीऔ ।

- ३.७ टूडे हरियाली चाय, आज करे ट्राय।
 - हरियाली चाय, हरियाली मुफ़त मग के साथ।
 - इसकी मेहक हर हर घर में हरियाली भरें।
 - चाय भी मेरी, मग भी मेरी,
 समय भी मेरी, सहेली भी मेरी ।
 - टूड़े हरियाली चाय, एक पर्व पैदा करती ।
 - हरियाली चाय, हरियाली मग में गरम गरम।
 - आज हरियाली चाय पीये और हमे ना भूलें।।

प्रशन ४

निम्नलिखित चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर प्रशनों का उत्तर दीजिए।

- ४.१ दो स्त्री गपशप कर रही हैं । एक औरत दूसरी औरत को पित के बारे सलाह दे रही है । शायद एक स्त्री दूसरी स्त्री से बड़ी है, उसे शादी शुदा ज़िन्दगी में ज्यादा अनुभव है ।
- ४.२ ये दो स्त्री सहेलियाँ या पड़ोसी भी हो सकते । शायद माँ और बेटी भी । ये दोनों घरेलु स्त्री (ग्रहणी) हैं । जैसे वे साड़ी पहनकर घर में बैठी है, हमे कहते है कि उनके पास बहुत सारे समय है, बेकार चीज़ों के लिए ।
- ४.3 "महेनत" का अर्थ है किसी वस्तु पर जोश ड़ालना । बहुत सारा काम करना । ज्यादा काम करने से अच्छा फल मिलते है । तो अगर औरतों एक ही जनम में अपना पित सुधारता है तो हर जनम में वही पित मिलते है तो हर बार इतनी जोश नहीं लगाना पड़ता ।
- ४.४ पित को आलसी नहीं होना चाहिए । पित को हमेशा पत्नी के बात मान्नी पड़ती होगी। पित को अच्छा नौकरी और तंक्खा मिलना चाहिए । उनके सारे बुडे आदतों को छोड दें । उनको बिना माँगे खर्च करने की पैसे दें ।
- ४.५ नहीं आजकल के स्त्रियों रे पास समय नहीं हैं गपशप और बेकार वस्तु के लिए । आजकल के स्त्रियों पति से भी ज्यादा कमाते है । वे पढ़े-लिखे है और पति के बुड़ी आदतों बर्दाश नहीं करती।

TOTAL: 80 marks